जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-24 | जयपुर, सोमवार, 13 जून, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस के मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला, प्रमोद तिवारी और बीजेपी के घनश्याम तिवाड़ी जीते

जयपुर (हमारा वतन) राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटों पर हुई वोटिंग के बाद नतीजे घोषित हुए। चार में से तीन सीट कांग्रेस और एक सीट बीजेपी ने जीती है। कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक और प्रमोद तिवारी जीत गए हैं। बीजेपी उम्मीदवार घनश्याम तिवाड़ी ने भी जीत दर्ज की है। बीजेपी समर्थक निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चंद्रा हार गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर जीते हुए उम्मीदवारों को बधाई दी। सुभाष चंद्रा ने पहले कांग्रेस खेमे से 8 विधायकों के क्रॉस वोटिंग का दावा किया था, लेकिन कांग्रेस खेमे के वोट एकजुट रहे। उलटा बीजेपी में क्रॉसवोटिंग हो गई। राज्यसभा चुनावों के बाद अब विधायकों की बाड़ेबंदी भी खत्म हो गई है। क्रॉसवोटिंग करने वालीं शोभारानी को भाजपा ने सस्पेंड कर दिया है और 7 दिन में जवाब मांगा है।

भाजपा विधायक ने की क्रॉसवोटिंग

धौलपुर से बीजेपी विधायक शोभारानी कुशवाह ने क्रॉसवोटिंग कर दी। शोभा रानी ने बीजेपी के घनश्याम तिवाड़ी की जगह कांग्रेस के प्रमोद तिवारी को वोट दे दिया है। बीजेपी भी मान रही है कि शोभा रानी के वोट में गड़बड़ी हुई है। शोभा रानी के पति बी एल कुशवाह इस वक्त जेल में बंद हैं। बीजेपी विधायक सिद्धि कुमारी को निर्दलीय सुभाष चंद्रा को डालना वोट डालना था, लेकिन बताया जा रहा है कि वो घनश्याम तिवाड़ी को अपना वोट दे गईं। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि एक विधायक से वोट देने में गलती हुई है। बीजेपी खेमे को जिस बात का डर था, वही हुआ। मॉक पोलिंग में बीजेपी के पांच विधायकों के वोट खारिज हो गए थे।

कांग्रेस का एक वोट रिजेक्ट, मुकुल वासनिक के आगे टिक लगा दिया था

बीजेपी का एक वोट क्रॉस होने के साथ कांग्रेसी खेमे में भी एक वोट खारिज हो गया है। मुकुल वासनिक के हिस्से का एक वोट खारिज हुआ है। कांग्रेस विधायक ने मुकुल वासनिक के आगे नंबर लिखने की जगह टिक लगा दिया था, इसलिए वोट खारिज हे गया। कांग्रेस ने मुकल वासनिक और रणदीप सुरजेवाला को 43-43 वोट डलवाने की रणनीति बनाई थी, लेकिन वासनिक का एक वोट खारिज होने से उन्हें 42 वोट मिले।

कांग्रेस के पक्ष में 127 विधायकों का वोट, एक वोट खारिज

कांग्रेस के पक्ष में 127 विधायकों के वोट पड़े, एक वोट खारिज हो गया। इस तरह तीनों उम्मीदवारों को 126 वोट मिले। रणदीप सुरजेवाला को 43, मुकुल वासनिक को 43 और प्रमोद तिवारी को 41 वोट मिले। जीत के लिए 41 वोट चाहिए थे। कांग्रेस का एक वोट खारिज होने के बाद भी कांग्रेस के दो उम्मीदवारों को तीन वोट ज्यादा मिले। कांग्रेस के 108, आरएलडी के सुभाष गर्ग, सीपीएम और बीटीपी के 2-2 विधायक, 13 निर्दलियों को मिलाकर कुल 126 विधायकों का समर्थन था।

मोरीजा के सीताराम जी मंदिर में हुई राम दरबार की मूर्तियों की स्थापना

चौमूं (हमारा वतन) ग्राम मोरीजा के रावला चौक स्थित प्राचीन सीताराम जी के मंदिर में राम दरबार की मूर्तियों की स्थापना मुख्य यजमान रामकिशोर मोदी के सानिध्य में हुई। रात्रि में यजमान सांवरमल मोदी, मातादीन मोदी,विश्वनाथ मोदी व अशोक मोदी ने मंडलस्थ गणपत्यादि देवताओं की षोडशोपचार पूजा अर्चना की।

आचार्य पं.सुदर्शन शर्मा ने हवनादि कार्य कराकर मूर्तियों का धान्यादि विविध द्रव्यों में मूर्तियों का वैदिक मंत्रों के साथ अधिवास कराया। इसके बाद तीर्थादि सुवासित जलों से मूर्तियों का मंत्रों के साथ महा स्नान कराकर पुरुष सूक्त व श्री सूक्त से अभिषेक किया गया। निर्जला एकादशी के अभिजीत मुहूर्त में मंदिर में भगवान श्रीराम,सीता,लक्ष्मण व हनुमानजी की नवीन मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई। इसके बाद मूर्तियों की षोडशोपचार पूजा अर्चना कर श्रृंगार किया गया। हवन पूर्णाहुति के पश्चात भोग लगाकर आरती की गई।

कार्यक्रम में भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में विधायक रामलाल शर्मा,सरपंच मंगल चंद सैनी,पू.पं.सदस्य सुरेश जांगिड़, वार्ड पंच सुरज्ञान सिंह गुर्जर,ओमप्रकाश मोदी,प्रवीण अग्रवाल,मनीष गोयल,संदीप अग्रवाल,राजेश अग्रवाल,अभिषेक मोदी,आशुतोष मोदी,मोहित अग्रवाल,सुनील पारीक,विमल अग्रवाल,कमलेश अग्रवाल,कालूराम गुर्जर,पुजारी विमल पारीक,मनीष पारीक,राजेंद्र जांगिड़,उमेश पारीक,मनीष पारीक,दीपक पारीक,राहुल मोदी, घनश्याम बिड़ला, महेश, सीए संदीप, भगवत प्रसाद मीणा,बसंत लालाणी,रुडमल कुम्हार,रामपाल शर्मा,शैतान चौपड़ा,गोविंद सोनी,गजानंद मीणा,पूर्णानंद मीणा,विष्णु लालाणी,महिलाएं श्रद्धालु व यजमान परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

राजेश सैनी बागवानी एवं पर्यावरण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

नवलगढ़ (हमारा वतन) बागवानी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राजेश सैनी कृषि वैज्ञानिक एवं इंटरनेशनल ट्रेनर को ग्रीन इंडिया परिवार रिसर्च फाउंडेशन एवं निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन की तरफ से ब्रांड ऑफ द ईयर अवार्ड एवं बेस्ट अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। सैनी पिछले 25 वर्षों से कृषि क्षेत्र में किसानों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सैनी पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय विश्व संत कबीर अवार्ड, अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण योद्धा पुरस्कार, बलीराजा कृषि अवार्ड, राष्ट्रीय कृषि गौरव पुरस्कार, किसान वैज्ञानिक पुरस्कार, आई ए डी सी 2020, धरतीपुत्र सम्मान पुरस्कार एवं शेखावाटी गौरव पुरस्कार से सम्मानित हैं। सैनी देश विदेश नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, नेपाल, अफगानिस्तान इत्यादि देशों की यात्रा कर चुके हैं। सैनी लंबे अरसे से कृषि, हाईटेक खेती बागवानी वृक्षारोपण,पर्यावरण, पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

सैनी पर्यावरण एवं कृषि संबंधित पत्र पत्रिकाएं, समाचार पत्रों आकाशवाणी, सामुदायिक रेडियो, दूरदर्शन एवं सोशल मीडिया से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। सैनी शेखावाटी क्षेत्र के नवलगढ़ कस्बे के रहने वाले हैं और किसान वर्ग में काफी लोकप्रिय हैं। राज्य में हाईटेक खेती के प्रचार प्रसार के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

किसानों के मसीहा थे राजेश पायलट : पूर्व विधायक सैनी

जयपुर (हमारा वतन) शहर के मोरीजा रोड पर स्थित कांग्रेस कार्यालय गोठवाल भवन पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसान नेता राजेश पायलट को पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व विधायक सैनी ने बताया कि राजेश पायलट एक किसान परिवार में पैदा हुए और उन्होंने राजनीति में बहुत बड़ा मुकाम हासिल किया। वे कहा करते थे कि जब तक गरीब किसान एवं मजदूरों के बच्चे पढ़ लिख कर उन कुर्सियों पर नहीं बैठेंगे जो देश की नीतियों को क्रियान्वित करती है तब तक देश की तरक्की संभव नहीं है। वह संचार क्रांति के जनक थे। चेयरमैन विष्णु कुमार ने बताया कि राजेश पायलट किसानों के मसीहा थे। युवाओं को रोजगार, महिला उत्थान व किसानों की उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किय। जिसे हमें भूला नहीं सकते है। आज हम उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके देश के विकास में दिए गए योगदान को स्मरण करते है। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नानकराम लंबा, कृष्णकांत जोशी, डीसीसी उपाध्यक्ष गिरिराज देवंदा, सेवादल संगठक लल्लूराम सैनी, पार्षद आशीष यादव, अशोक कुमार रच्छौया, इमामुद्दीन कुरेशी, महेश कुमार नायक, शायर मल माली, राजेंद्र इंदौरा, मुकेश कुमार पांच्या, बाबूलाल गढ़वाल, सरपंच महावीर जांगिड़, मुकेश कुमार मीणा, रामस्वरूप सौंकरिया, मांगीलाल बालेसरा, भीमाराम लांबा, मदनलाल इंदौरिया, विक्रम सिंह, भगवान सहाय हरसोलिया, बाबूलाल उदयपुरिया, चंद्रभान चौहान, अर्जुन हरितवाल, इंदुरानी कुलदीप, विनोद कुमार आर्य, अभिषेक मोरदिया, बाबूलाल शर्मा, अशोक कुमावत, पुष्पेंद्र प्रजापति, बंसीधर बुनकर, नानूराम, पोखर बराला, अजय जाटवत, राकेश इंदौरा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीर अमर शहीद सुलभ उपाध्याय के पिता अशोक उपाध्याय का किया सम्मान

भदोही (हमारा वतन) ज्ञानपुर बैराखास गांव के मूल निवासी वीर अमर शहीद सुलभ उपाध्याय के पिता अशोक उपाध्याय का साल श्रीफल और हमारे प्रेरणा स्रोत पुस्तक दे कर मुंबई से पधारे गुरु नानक विद्यालय मुंबई के वरिष्ठ शिक्षक विनोद कुमार दुबे ने उनके त्याग और समर्पण को सलाम करते हुए स्वागत किया। उनके निवास स्थल पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विनोद कुमार दुबे ने कहा कि आपके लाल की सहादत चिर काल तक याद की जाएगी तथा उसे इतिहास के पन्नों में गूंथा जाएगा। आप एक वीर शहीद के पिता है ,इस पर आपको गर्व होना चाहिए। वीर अमर शहीद की माता मनोरमा उपाध्याय को भी उपस्थित लोगों ने सांत्वना देते हुए ऐसे पुत्र को जन्म देने पर गर्व जताया।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कचौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं ? तो हमसे मिलें !

सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी

निदेशक
डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख !

फ्री परामर्श

संपर्क - 9636247286, 9928747286

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

चौमूं का इतिहास

गतांक से आगे.....

भाग 7

चौमूँ ठिकाने के 5 नाथावत राजाओं ने जयपुर की खातिर अपना बलिदान दिया था ।चौमूँ के पांच नाथावत ठाकुरों ने अनेक युद्धों में अपना बलिदान दिया था। आमेर के कछवाहा राजाओं के अधीन चौमूँ प्रमुख ठिकाना रहा है । यहां के शासक युद्ध में सबसे आगे रहे। जयपुर महाराजाओं के दरबार में चौमूँ के नाथावतों का दबदबा रहा था। वीर शिरोमणि नाथाजी की वंश परंपरा में मनोहर दास को हाडोता की जागीर मिली थी । उन्हीं के वंशज करण सिंह ने गुरु बेणीदास की आज्ञा से करीब 450 वर्ष पूर्व वैशाख शुक्ल तृतीया के दिन धाराधार शैली में चौमूँ का जमीनी गढ़ का निर्माण करवाया था । चार दरवाजों के चौमूंहागढ के कारण हाडौता का नाम चौमूँ पड़ा । यहां यह स्पष्ट है कि चोमू की स्थापना से पूर्व ही हाड़ोता की स्थापना हो चुकी थी । यहां के शासकों ने बुर्ज परकोटा के अलावा रतन निवास, कृष्ण निवास, देवी निवास , शीश महल, मोती महल आदि का निर्माण करवाया। 1798 कृष्ण सिंह ने चौमूंहा परकोटा बनवाया जिस पर रात और दिन संगीनों का पहरा रहता था। ध्रुव दरवाजा, बावड़ी दरवाजा, पी वाला दरवाजा, होली दरवाजा, रावण दरवाजे भी यहां पर बड़े मशहूर रहे हैं। मोहन सिंह ने परकोटे के अंदर विशाल नहर बनवाई।

प्रिंस कुमार उप्पल (मुद्राशास्त्री) निदेशालय,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग-जयपुर

शेष अगले अंक में

वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक सोनी का पर्यावरण दिवस पर हुआ सम्मान

देहरादून (हमारा वतन) नगर निगम देहरादून के ऐतिहासिक जुगन्दर हॉल में एक राष्ट्रीय समाचार पत्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन व वृहद पौधारोपण व स्वच्छता तथा पौधे उपहार में देने, जन्मदिन पर पौधा लगवाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी के हाथों सम्मान पत्र व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। डॉ सोनी ने स्पीक ऋतु खंडूरी को देववृक्ष रुद्राक्ष का पौधा उपहार में भेंट किया ।

साथ ही कार्यक्रम में सम्मानित होने वालों को भी एक -एक कागजी नीबू, पुलम, अमरूद के पौधे उपहार में भेंट किए। गौरतलब है की वृक्षमित्र शिक्षक डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी मूलतः जनपद चमोली के विकासखंड देवाल ग्राम पूर्णा के रहने वाले है और वर्तमान में वे राजकीय इण्टर कालेज मरोड़ा (सकलाना) में प्रवक्ता भूगोल के पद पर कार्यरत हैं। पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन व पौधारोपण के क्षेत्र में विगत तीस वर्षों से कार्य कर रहे हैं ।

इनके द्वारा शुरु किया पौध उपहार में देने व जन्मदिन पर पौधारोपण करने की परम्परा आज समाज मे दिखाई दे रही है। सम्मानित होने पर पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने समाचार पत्र का अभिवादन व्यक्त करते हुए कहा छात्रों के उत्तम भविष्य बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन व वृहद पौधारोपण तथा जन जन को जागरूक करने की जिम्मेदारी प्रकृति ने मुझे दी हैं । जब तक मेरा जीवन इस धरा में हैं इन्हें मैं निभाता रहूंगा। कार्यक्रम में आकाश रस्तोगी संपादक, पंकज जायसवाल समाचार संपादक, संजय सुमिताभ प्रशासक, ईजी अनुज सक्सेना डिजिटल एडिटर, बृजेश टम्टा, तरुण, मोहनराम, किरन एवं अन्य उपस्थित रहे।

कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष ने किया मधुर मिलन स्मारिका का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन) ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के द्वारा आयोजित सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन की मधुर मिलन स्मारिका पुस्तक का विमोचन कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष आईजी हरिप्रसाद शर्मा ने किया । जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने माल्यार्पण कर एवं मां गायत्री की प्रतिमा एव मधुर मिलन स्मारिका भेंट की। इस दौरान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि यह स्मारिका समाज के लोगों के लिए बहुत उपयोगी है इसमें समाज की युवक-युवतियों का पूरा विवरण है जिससे समाज में विवाह संबंधित आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी । इस दौरान समाजसेवी प्रदीप शर्मा, दीपक शर्मा, राकेश शर्मा, सीपी कराडिया आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने शहर के वार्डो में किया जन आक्रोश सभा को लेकर जनसम्पर्क

जयपुर (हमारा वतन) कांग्रेस सरकार के विरुद्ध 20 जून 2022 को होने वाली जन आक्रोश सभा को लेकर चौमूँ नगर मंडल के सभी वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओं से संपर्क करके जन आक्रोश सभा के कार्यक्रम के बारे में चर्चा की तथा अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं के भाग लेने तथा सभी कार्यकर्ताओं को सभा को सफल बनाने के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां दी।

चौमूँ नगर मंडल के सभी वार्डों में कार्यकर्ताओं से संपर्क करने के लिए बनाई गई चौमूँ की टीम में नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट एवम पूर्व उपाध्यक्ष रमेश टोडावता ने सभी वार्डों में जाकर कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम के बारे में चर्चा की। जन आक्रोश सभा को लेकर चौमूँ नगर मंडल के कार्यकर्ताओं में भारी जोश उत्साह है।

बचपन पुराना रे

ढूंढ के ला दो कोई बचपन पुराना रे
पुराना जमाना हाँ पुराना जमाना रे

बड़ी - बड़ी बातें हम खूब बतियाते थे
दोस्तों से मार खाते उनको भी लतियाते थे
हल्की सी चोट पर जोर से चिल्लाना रे
ढूंढ के ला दो कोई बचपन पुराना रे

साइकिल की डंडी पर गमछा लगाते थे
बाबू जी आहिस्ते से उसपे बैठाते थे
घर और बाजार के बीच दुनियाँ दिखाना रे
ढूंढ के ला दो कोई बचपन पुराना रे

साइकिल बाबू जी की लंगड़ी चलाते थे
कभी गिर जाते, कहीं जाके भिड़ जाते थे
साइकिल चलाने खातिर चोट का छिपाना रे
ढूंढ के ला दो कोई बचपन पुराना रे

रोक - टोक कम थी कहीं भी चल जाते थे
जैसा माहौल मिला वैसे ढल जाते थे
अब तो हो पाता नहीं कभी मनमाना रे
ढूंढ के ला दो कोई बचपन पुराना रे

सपने में ढेर सारे बिस्कुट और टाफी थी
गलती कुछ भी हो जाए मिल जाती माफ़ी थी
अब तो लग जाता है गलती पे जुर्माना रे
ढूंढ के ला दो कोई बचपन पुराना रे

सिद्धार्थ गोरखपुरी

एक सहेली सी लगती हो

नारी मन के
हर भावों को लिए
होंठों पर थोड़ा गुस्सा
दिल में प्यार लिए
एक कविता सी
धरती पर आई हो
हर मन को आप
बहुत भाई हो
जीवन की बूंद
किताब सी
लगती हो
कभी लगती हो
एक पहेली सी
जब बातें करती हो
हंसती हो हमसे
तो लगती हो
एक सहेली सी
अपनी कविता से
मन के भावों को
दिखाती हो
कितने भावों को
मन में सदा आप
छुपाती हो
नारी मन का
खुलकर जीना
भर वेदना दिल में
सदा सब कुछ सहना
मानव मन नए-नए
स्वप्न जगाती हो
आप सदा
सबके मन को
हर्षाती हो।

सुशीला दुबे, शिक्षिका,जयपुर

भिक्षावृत्ति में शामिल लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दें, पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें : मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। उषा शर्मा ने कहा कि जयपुर को भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने के प्रयास जारी रखें जाएं। चिन्हित स्थानों से उन्हें हटाने के साथ ही, जरूरतमंद लोगों को श्रेणीवार विभाजित कर पुनर्वास गृहों में भेजा जाए और इच्छुक व्यक्तियों को प्रशिक्षण के लिए आजीविका एवं कौशल विकास निगम भेजा जाए। साथ ही, पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ा जाए। श्रीमती शर्मा ने शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जयपुर को भिक्षावृत्ति से मुक्त बनाने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के साथ ही अन्य सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर मिशन के रूप में कार्य करें।

कथक नृत्य कला केन्द्र

(लावणी कला केन्द्र)

आर्ट एण्ड म्यूजिकल सोसायटी

संगीत एवं नृत्य प्रशिक्षण केन्द्र

नृत्य : कथक, राजस्थानी लोकनृत्य, फिल्मी, वेस्टर्न, बेले (नृत्यनाटिका) आदि
गायन : शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, भजन, गीत, गज़ल एवं राजस्थानी लोक गीत
वादन : तबला, हारमोनियम, ढोलक, गिटार व सिन्थेसाइजर

नोट : कथक नृत्य के डिप्लोमा के लिए सम्पर्क करें।

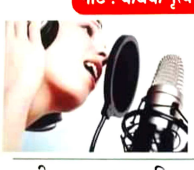

प्रतियोगिता व संगीत परिक्षाओं का एक मात्र स्थान

सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्टेज शो, महिला संगीत की विशेष तैयारी

सी-27-ए, राधा विहार, देवी नगर के सामने, पिलर नं. 80, न्यू सांगानेर रोड़, सोड़ाला, जयपुर

मो: 982905974,0141-2290074

जॉब्स

1. राजस्थान स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड (आरएसएमएसएसबी) पद जूनियर इंजीनियर एग्रीकल्चर, पद संख्या 189, अंतिम तिथि 6 जुलाई 2022
2. आईबीपीएस आरआरबी, पद ऑफिस असिस्टेंट व अन्य, पद संख्या 8106, अंतिम तिथि 27 जून 2022
3. असम राइफल्स, पद हवलदार कलर व ट्रेड्समैन, पद संख्या 1380, अंतिम तिथि 20 जुलाई 2022
4. आइटीबीपी, पद हेड कॉन्स्टेबल, पद संख्या 248, अंतिम तिथि 7 जुलाई 2022
5. आइटीबीपी, पद एएसआई स्टेनोग्राफर, पद संख्या 38, अंतिम तिथि 7 जुलाई 2022
6. इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट आईएआरआई, पद असिस्टेंट, पद संख्या 462, अंतिम तिथि 21 जून 2022
7. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद सेकंड ग्रेड टीचर संस्कृत विभाग, पद संख्या 417, अंतिम तिथि 21 जून 2022
8. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएमएसएसबी), पद लाइब्रेरियन, पद संख्या 460, अंतिम तिथि 24 जून 2022

जनहित में जारीः

नुसरत भरूचा के साथ हुआ था कुछ ऐसा, फूट-फूटकर रोई थीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जनहित में जारी को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में नुसरत भरूचा ने एक कॉन्डम बेचने वाली लड़की का रोल प्ले किया है। अभी तक किसी न किसी मेल एक्टर से साथ फिल्मों में नजर आई नुसरत भरूचा ने अब फीमेल सेंट्रिक फिल्में करना शुरू किया है। नुसरत फिल्म के प्रमोशन में काफी मेहनत कर रही हैं। इन दिनों वह तमाम इंटरव्यूज और पब्लिक इवेंट्स के जरिए अपनी फिल्म के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक मैसेज पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं। आज नुसरत एक बड़ा और मशहूर चेहरा बन चुकी हैं लेकिन एक वक्त वो भी था जब नुसरत अपनी फिल्म के रिलीज होने से लेकर अपनी फिल्म के हिट होने तक नर्वस बनी रहती थीं। हाल ही में उन्होंने बातचीत में बताया कि फिल्म आकाशवाणी के फ्लॉप होने के बाद वह बहुत रोई थीं। नुसरत भरूचा ने बताया, आपको पता है जब आकाशवाणी फ्लॉप हुई थी? मैं कुमार जी के ऑफिस में बैठी हुई थी और उन्होंने कहा कि पिक्चर फ्लॉप हो गई है और इतने पैसे डूब गए हैं। नुसरत भरूचा ने बताया कि वह 30 सेकेंड के भीतर ही रोने लग गई थीं और तब उन्हें कुमार जी ने समझाया कि तुम रो क्यों रही हो? प्रोड्यूसर ने नुसरत को समझाया कि मेरे पैसे गए हैं फिर भी मैं हंस रहा हूं और तुम रो रही हो। फायदा नुकसान चलता रहता है। नुसरत ने बताया कि क्योंकि वह आज के हिसाब से भी बहुत बड़ा अमाउंट था इसलिए मुझे तब बहुत धक्का लगा था, लेकिन आज मैं बस ये चाहती हूं कि जो पैसा कोई भी प्रोड्यूसर किसी फिल्म पर लगाता है उसका वो पैसा निकल जाना चाहिए। मुझे बॉक्स ऑफिस नंबर्स से खास फर्क नहीं पड़ता।

पलक तिवारी को मिला बड़ा ब्रेक, सलमान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' में एंट्री

सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' अपने स्टारकास्ट की वजह से काफी समय से चर्चा में है। फिल्म में कलाकारों के जुड़ने से लेकर उनके निकलने तक की खबरें आ रही हैं। सलमान खान की इस फिल्म से 'बिग बॉस 13' फेम शहनाज गिल बॉलीवुड में एंट्री करने वाली हैं। उनके डेब्यू को लेकर फैन्स काफी उत्साहित हैं। हाल में सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा ने खुद को फिल्म से अलग कर लिया। लेटेस्ट खबर के मुताबिक श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी 'कभी ईद कभी दिवाली' में काम करने वाली हैं।

पलक की एंट्री-फिल्म में जस्सी गिल भी हैं। रिपोर्ट थी कि शहनाज गिल, जस्सी गिल के अपोजिट होंगी लेकिन ऐसा नहीं होने जा रहा है बल्कि जस्सी के अपोजिट पलक तिवारी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक यूनिट हैंड ने जानकारी दी कि 'पलक को खुद सलमान ने चुना है। वह जस्सी के साथ नजर आएंगी और फिल्म में उनका कमाल का ट्रैक है। वह शूटिंग में शामिल हो गई हैं।' इस बारे में पलक की ओर प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। पलक अपने दो म्यूजिक वीडियो से पहले ही धूम मचा चुकी हैं। उन्होंने अपने डांसिंग स्किल से प्रभावित किया है।

सलमान की फिल्म में असिस्टेंट-पलक इससे पहले सलमान खान और आयुष शर्मा की फिल्म 'अंतिम: द फाइनल ट्रुथ' में असिस्टेंट डायरेक्टर थीं। इसके अलावा वह 'बिग बॉस 1'5 के एक एपिसोड में अपने गाने के प्रमोशन के सिलसिले में पहुंची थीं। पलक की मां श्वेता तिवारी 'बिग बॉस' सीजन 4 की विजेता थीं जिसे सलमान खान ने होस्ट किया था।

अन्य कलाकार-'कभी ईद कभी दिवाली' के निर्देशक फरहाद सामजी हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों में वेंकटेश, पूजा हेगड़े, राघव जुन्याल और सिद्धार्थ निगम हैं।

शाहिद कपूर अगली फिल्म में ईशान की एक्स गर्लफ्रेंड अनन्या पांडे संग करेंगे रोमांस?

IIFA 2022 में शाहिद कपूर और अनन्या पांडे की परफॉर्मेंस ने सभी का दिल जीत लिया। दोनों सितारों की पावर पैक परफॉर्मेंस और दोनों की कैमिस्ट्री देख रहे ढेरों निर्माता और निर्देशकों का इस बात पर ध्यान गया कि इन दोनों की जोड़ी काफी कूल लगती है। तो क्या अभी तक किसी फिल्ममेकर ने दोनों को एक ही फिल्म में एक दूसरे के अपोजिट साइन करने के लिए अप्रोच किया है? क्यों दोनों जल्द ही साथ में काम करते नजर आएंगे? इस सवाल का जवाब खुद शाहिद कपूर ने दिया है।बातचीत में जब शाहिद कपूर ने पूछा गया कि कब वो और अनन्या पांडे किसी फिल्म में साथ काम करते दिखाई पड़ेंगे तो इसके जवाब में एक्टर ने कहा, अनन्या बहुत प्यारी लड़की है, लेकिन ये सवाल सही मायने में आपको निर्देशकों और फिल्ममेकर्स से पूछना चाहिए। क्योंकि जैसा कि लोगों को लगता है, उसके विपरीत कम से कम आज की जनरेशन में कलाकारों को उनके को-स्टार चुनने का अधिकार नहीं होता है। बता दें कि शाहिद कपूर अपनी फिल्म जर्सी को लेकर काफी ज्यादा कॉन्फिडेंट थे लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत खराब प्रदर्शन किया।

इस थकान का कारण थाइरॉइड तो नहीं

क्या आपको थोड़ी-सी मेहनत करने पर ही थकान महसूस होने लगती है? क्या मोटापे के साथ-साथ बाल भी झड़ रहे हैं? क्या आपको भूलने की बीमारी है? क्या आप अक्सर तनाव महसूस करते हैं? अगर इन सबके जवाब हां में हैं तो आपको अपने थाइरॉइड का स्तर जांच कराने की जरूरत है। धीरे-धीरे सामने आने वाले ये लक्षण समय के साथ गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकते हैं। पहले समझा जाता था कि थाइरॉइड संबंधी रोग केवल नमक में आयोडीन नहीं होने की वजह से ही होते हैं, पर थाइरॉइड की समस्या के लिए जेनेटिक कारणों के अलावा व्यक्ति की जीवनशैली भी वजह बन सकती है।

कई तरह के थाइरॉइड-थाइरॉइड दो तरह का होता है- हाइपो और हाइपर। हाइपो में वजन बढ़ने लगता है और भूख कम लगती है। हाथ-पांव में सूजन आ जाती है। मरीज सुस्ती और सर्दी से परेशान रहता है। उसका किसी काम में मन नहीं लगता। कभी-कभी मासिक धर्म और याददाश्त में कमी हो सकती है। इसके उलटे हाइपर में मरीज का वजन कम हो जाता है और भूख यादा लगती है। मानसिक तनाव की शिकायत होती है। एकाग्रता में कमी, धड़कन और बीपी बढ़ने की शिकायत हो जाती है।गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. रेनू चावला के मुताबिक हाइपोथाइरॉइड में थाइरॉइड हार्मोन बनना कम हो जाता है। ऐसे में शरीर में भोजन की ऊर्जा को रसायनिक प्रक्रिया में बदलने की गति धीमी हो जाती है। लेकिन यह आसानी से पकड़ में नहीं आती। इसलिए शुरुआती लक्षण जैसे कि याददाश्त में कमी, सुस्ती, थकान आदि दिखने पर हार्मोन की जांच करा लेनी चाहिए।

जानें थाइरॉइड के बारे में

हमारी गर्दन में थाइरॉइड ग्लैंड होती है, जो दो तरह के थाइरॉइड हार्मोन टी-3 और टी-4 बनाती है। शरीर की सबसे जरूरी ग्रंथियों में से एक थाइरॉइड ग्लैंड शरीर की कई चीजों को नियंत्रित और नियमित करती है। अच्छी नींद, स्वस्थ पाचन तंत्र, मेटाबोलिम, शरीर का तापमान, विकास आदि थाइरॉइड की संतुलित मात्रा पर ही निर्भर करता है। ऐसे में थाइरॉइड हार्मोन का जरूरत से यादा बनना या कम बनना, दोनों ही स्थितियों में खतरनाक साबित हो सकता है। थाइरॉइड के घटने या बढ़ने से महिलाओं के अंदर बांझपन और पीरियड्स के बढ़ने जैसी दिक्कतें पैदा हो जाती है। खासकर बढ़ा हुआ थाइरॉइड यादा मुसीबतें पैदा कर सकता है। इसे हाइपरथाइरॉइड कहते हैं।

लक्षण-थाइरॉइड डिसऑर्डर से संबंधित शुरुआती परेशानियां इतनी आम होती हैं कि उन पर अक्सर ध्यान नहीं जाता। हम में से ज्यादातर लोग तो थाइरॉइड की समस्या को समझ ही नहीं पाते। ऐसे में वे किसी और बीमारी का इलाज ढूंढने लगते हैं। देर से पता चलने की वजह से थाइरॉइड यादातर लोगों को कम समय में ही अधिकतम नुकसान पहुंचा चुका होता है। डॉ. चावला के मुताबिक भूख के बावजूद वजन में गिरावट, तेज धड़कन, हाई ब्लड प्रेशर, तनाव, खूब पसीना आना, गर्दन में सूजन, कम मासिक धर्म, बार-बार शौच जाना, हाथ कांपना आदि कुछ ऐसे संकेत हैं, जिससे हाइपरथाइरॉइड का अंदाजा लगाया जा सकता है।

वजह -शरीर में आयोडीन की कमी के अलावा, असंतुलित थाइरॉइड की और भी कई वजहें हैं। इनमें से एक तनाव भी है।

गर्मी में जरूरी हैं ये व्यायाम

1. गर्मी के दिनों का सबसे बेहतरीन और पसंदीदा व्यायाम माना जाता है स्विमिंग। इससे न केवल आपके पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है, बल्कि गर्मी से राहत भी मिलती है।
2. स्विमिंग के अलावा साइकलिंग, रनिंग, वॉकिंग, जॉगिंग जैसे व्यायाम भी लोगों को काफी पसंद आते हैं। योग, मेडिटेशन और कुछ व्यायाम सुबह-सवेरे आप पार्क की खुली हवा में भी कर सकते हैं और घर की चारदीवारी के अंदर भी।
3. कार्डियो और स्ट्रैन्थनिंग व्यायामों के साथ-साथ आपको पूरी बॉडी को फिट रखने के लिए भी व्यायाम करने की जरूरत है। इसके लिए एक ही जगह पर अपनी हथेली को कमर के बराबर ऊंचाई पर रखते हुए एक-एक पैर से जंप करें और घुटनों को हथेली से छूने की कोशिश करें।
4. चेस्ट, शोल्डर्स और कोर स्ट्रैन्थनिंग करने वाले व्यायाम ट्राइसेप्स पुशअप के दौरान आप पुशअप वाली पोजिशन में होंगे। दोनों हथेलियां मैट से सटी और खुली रहेंगी। घुटना सीधा और पंजे मैट से सटे होंगे। इसके अलावा घुटनों को मोड़ मैट पर रख कर इस पोजिशन में भी पुशअप कर सकते हैं।
5. अब मैट पर मेंढक की तरह कूदने को तैयार हो जाएं। दोनों हथेलियों को आगे की ओर मैट पर रखें। पंजों के बल पर शरीर का वजन अपनी हथेलियों पर डालते हुए ऊपर की ओर मैट पर जोर-जोर से कूदें। इससे पूरे शरीर का अतिरिक्त वजन कम करने में मदद मिलेगी और मांसपेशियां टोनअप होंगी।
6. गर्मी के दिनों में हफ्ते में दो दिन हाई इंटेन्सिटी व्यायाम करें। वार्मअप के बाद कार्डियो वैस्कुलर स्ट्रैन्थनिंग व्यायाम करते हुए अतिरिक्त मेहनत अवश्य करें। इसमें दो-तीन मिनट जंपिंग जैक्स, एक मिनट पुशअप, एक मिनट रनिंग, ऊंचाई यानी चढ़ाई पर टहलने जैसे व्यायाम शामिल हैं। इसके बाद 30 सेकेंड आराम करें, फिर टहलने के लिए निकलें।

CWG के लिए भारतीय बॉक्सिंग टीम का ऐलान

लवलीना दूसरी बार टीम का हिस्सा;निखत, नीतू-जैसमिन नया चेहरा, परवीन हारीं

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के लिए भारतीय महिला बॉक्सिंग टीमें तय हो गई हैं। टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन एक बार फिर CWG के लिए टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल रही हैं। वहीं, पिछले माह वर्ल्ड चैंपियनशिप की गोल्ड मेडलिस्ट निखत जरीन, यूथ वर्ल्ड चैंपियन नीतू और जैसमिन टीम में नया चेहरा हैं, जबकि पिछले सीजन की गोल्ड मेडलिस्ट और छह बार की वर्ल्ड चैंपियन एमसी मैरीकॉम और एल सरिता देवी टीम का हिस्सा नहीं हैं।दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में शनिवार को नेशनल ट्रायल के फाइनल मुकाबले हुए। ये ट्रायल चार वेट कैटेगरी में हुए। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स अपने घर यानी की इंग्लैंड के बर्मिंघम शहर में 28 जुलाई से 8 अगस्त के बीच हो रहे हैं।

फाइनल ट्रायल में किसने किसे हराया-नेशनल ट्रायल्स के फाइनल मुकाबले में टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मुक्केबाज लवलीना ने एकतरफा जीत दर्ज की। 24 साल की लवलीना ने 70 किग्रा में पूजा को 7-0 से परास्त किया। वहीं, पिछले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली निखत जरीन ने भी उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। हैदराबाद की इस 25 वर्षीय मुक्केबाज ने 50 किग्रा में मीनाक्षी को एकतरफा अंदाज में 7-0 से हराया। साथ ही? यूथ वर्ल्ड चैंपियन नीतू ने 48 किग्रा वेट कैटगरी में मंजू रानी को 5-2 से हराया, जबकि वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेडलिस्ट परवीन उलटफेर की शिकार हुईं। उन्हें 16 साल की मुक्केबाज जैसमिन ने 60 किग्रा कैटेगरी में 6-1 से हराया।

सेमीफाइनल में चोटिल हो गई थी मैरीकॉम-2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट एमसी मैरीकॉम नेशनल ट्रायल के सेमीफाइनल राउंड में चोटिल हो गई थी। 48 किग्रा वेट कैटेगरी में मैरीकॉम के हटने के बाद नीतू को विजेता घोषित किया गया था।

कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने से चूके बाबर,पाकिस्तान ने 120 रनों से जीता दूसरा वनडे

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज पर 120 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर तीन मैच की सीरीज में 2-0 के अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने 5 विकेट से जीता था। मुल्तान में खेले गए दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के सामने इमाम उल हक (72) और बाबर आजम (77) के अर्धशतक के दम पर निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 275 रन बनाए थे। इस स्कोर के सामने मेहमान टीम 155 रनों पर ही ढेर हो गई। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद नवाज ने सबसे अधिक चार विकेट लिए और उन्हें मैन ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया।पाकिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, मगर फखर जमन फिर टीम को अच्छी शुरुआत देने से चूके। वह 17 के निजी स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद इमाम उल हक और बाबर आजम के बीच दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

जब इंदिरा गांधी की जिद ने बनाई जीत की राह

जिस तरह से इस वक्त यूपी की आजमगढ़ लोकसभा सीट के लिए होने जा रहे उपचुनाव पर सबकी नजरें गड़ी हैं, कुछ ऐसी ही उत्सुकता 44 साल पहले भी आजमगढ़ को लेकर पूरे देश में देखने को मिली थी। उस वक्त भी आजमगढ़ लोकसभा सीट को लेकर ही उपचुनाव हो रहा था। वह साल 1978 था। इमरजेंसी के बाद 1977 में हुए आम चुनाव में कांग्रेस केंद्रीय सत्ता से बेदखल कर दी गई थी। यूपी में तो कांग्रेस के खिलाफ जनाक्रोश का आलम यह था कि राज्य की 85 सीटों (तब उत्तराखंड अलग राज्य नही बना था) में से एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई थी। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में राम नरेश यादव ने कांग्रेस के चंद्रजीत यादव को हरा दिया था।लोकसभा चुनाव के बाद जब यूपी विधानसभा चुनाव हुए तो उसमें भी जनता पार्टी को बहुमत मिल गया। नतीजतन राम नरेश यादव राज्य के नए मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना पड़ा। उसी वजह से आजमगढ़ लोकसभा सीट के लिए के लिए उपचुनाव हुआ था। 1977 में मिली हार से बुरी तरह पस्त कांग्रेस ने पहले तो इस उपचुनाव से अपने को अलग करने फैसला कर लिया। पार्टी की तरफ से कहा गया कि उपचुनाव लड़ने के बजाय उसकी प्राथमिकता संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के जरिए जनविश्वास की बहाली करना है। लेकिन कुछ समय में ही उसका यह फैसला बदल गया। न जाने इंदिरा गांधी को क्या सूझी, उन्होंने उपचुनाव में पार्टी की तरफ से उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया। इसमें भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि उन्होंने उम्मीदवार घोषित किया मोहसिना किदवई को, जो यूपी के बाराबंकी जिले की रहने वाली हैं। उनकी गिनती उस वक्त इंदिरा गांधी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी के रूप में होती थी। जाहिर सी बात है कि जो सीट राज्य के मुख्यमंत्री की रही हो, वह सत्तारूढ़ दल के लिए तो प्रतिष्ठापूर्ण हो ही जाती है। लेकिन यह सीट इसलिए और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई थी क्योंकि यह जनता पार्टी सरकार में गृह मंत्री चौधरी चरण सिंह के गृह प्रदेश का मामला था।

राम गोपाल सैनी

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

स्टार फाउंडेशन संस्थापक रूक्क्षमणी कुमारी ने की गरीब की मदद

जयपुर (हमारा वतन) स्टार फाउंडेशन की संस्थापक रूक्क्षमणी कुमारी ने गरीब की मदद कर दुःख को बाँटने में सहयोग किया है ।

जानकारी के अनुसार कुछ माह पूर्व रेगरो का मोहल्ला, सामोद निवासी कानाराम सबल का आकस्मिक निधन हो गया था,जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। उस समय स्टार फाउंडेशन की संस्थापक रूक्क्षमणी कुमारी ने टिन शेड लगवाने का वादा किया था जिसे आज पूरा कर दिया है । वादा पूरा करने पर सभी ग्रामवासियो ने रूक्क्षमणी कुमारी का रैगर मोहल्ले सामोद मे बुलाकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान राजेंद्र कुमार सब्बल ,कालूराम सेठी ,केसरमल सबल ,किशोर कसौटिया, गोविंद ,हंसराज सब्बल,हनुमान सहाय सेठी,हनुमान सहाय पिंगोलिया, रामेश्वर पिंगोलिया, हनुमान सहाय पिंगोलिया,धन्नालाल सब्बल,आनंदीलाल पिंगोलिया,पोखर रचोया,नानूराम पिंगोलिया आदि ग्राम वासी मौजूद रहे।

अब खादी का एप्रिन पहनेंगे डॉक्टर! एनएमसी ने दिया सुझाव

नई दिल्ली(हमारा वतन) शिक्षा में लगातार भारतीयकरण की दिशा में बदलाव की बात हो रही है। इसबीच अब चिकित्सा शिक्षा की भाषा में हिंदी को शामिल करने के बाद अब देशीकरण की ओर एक और कदम बढ़ाने की तैयारी है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने खादी का इस्तेमाल किए जाने की पहल की है। इसके लिए एनएमसी ने देश के सभी मेडिकल कॉलेजों को पत्र लिखकर खादी का इस्तेमाल किए जाने का सुझाव दिया है।

एनएमसी ने पत्र में सुझाव दिया है कि डॉक्टरों और नर्सों के एप्रिन के साथ ही हॉस्पिटल में इस्तेमाल किए जाने वाला हर कपड़ा जैसे चादर, पर्दे इत्यादि खादी के हों तो अच्छा रहेगा। पत्र में गाउन, पिलो कवर जैसी चीजों में भी खादी का इस्तेमाल किए जाने की वकालत की है। एनएमसी ने कहा है कि खादी अन्य तरह के कपड़ों से ज्यादा सुविधाजनक है और विभिन्न मौसमों में भी इस्तेमाल की जा सकती है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, खादी के कपड़े स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी अनुकूल हैं। उनका कहना है कि डॉक्टरों के लिए एप्रिन यानी सफेद कोट ड्यूटी के दौरान पूरे समय पहनना अनिवार्य होता है, ऐसे में अगर खादी का एप्रिन पहना जाएगा तो डॉक्टरों को ठंड में गर्मी और गर्मी में ठंडक का अहसास होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि खादी के इस्तेमाल से डॉक्टरों की कार्यक्षमता में भी इजाफा होगा।

शहीद मेजर आदित्य सिंह की जयंती पर पेड़ लगाकर दी श्रद्धांजलि

जयपुर (हमारा वतन) ग्राम ईटावा भोपजी में साई मंदिर महंत आर्मी री. कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत के सानिध्य में सर्व समाज की महिलाओं ने जनसेविका रूक्क्षमणी कुमारी के पति अमर शहीद मेजर आदित्य सिंह नाथावत की जयंती पर मोक्ष धाम में वृक्ष लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित की ।इस दौरान महिलाओं ने संकल्प लिया कि सभी अपने-अपने घर जाकर एक एक वृक्ष लगाकर अमर शहीद मेजर साहब को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे ।

इस मौके पर रविंद्र सिंह नाथावत, मास्टर भंवर खान, सुरेश कुमार शर्मा हवलदार, जितेंद्र सिंह नाथावत, भूपेंद्र सिंह नाथावत, नवदीप सिंह नाथावत, कैलाश हरिजन एवं सर्व समाज मकी हिला शक्ति उपस्थित रही ।

आरपीएससी:- सहायक आचार्य- जियोलॉजी लिखित परीक्षा का परिणाम जारी

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2020 के अंतर्गत जियोलॉजी विषय की लिखित परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। सचिव श्री एचएल अटल ने बताया कि लिखित परीक्षा के परिणाम में 39 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए पूर्णतः अस्थाई रूप से सफल घोषित किया गया है।

भव्या फाउंडेशन द्वारा उदयवीर को राष्ट्र गौरव सम्मान से किया जाएगा सम्मानित

जयपुर (हमारा वतन) भव्या इंटरनेशनल और भव्या फाउंडेशन के बैनर तले आगामी 19 जून को अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य ऑडिटोरियम - आर पी ए रोड - शास्त्रीनगर- जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मलेन और राष्ट्र गौरव अवार्ड -2022 सम्मान समारोह होने जा रहा है। इसमें देश विदेश की जानी मानी नायाब हस्तियां साहित्य, कला,समाजसेवा, शिक्षा, किसान , फैशन, ज्योतिष, कृषि, नृत्य ,संगीत, मीडिया, पत्रकारिता, मेडिकल, साइंटिस्ट व् अन्य शिरकत कर रही है। जिनमे जिंदगी जीने का गज़ब हौसला हैं और जिनका जीवन हमारे लिए बहुत प्रेरणा दायी हैं। इस कार्यक्रम में सेना के जांबाज भूतपूर्व सैनिक नायक उदयवीर सिंह यादव को राष्ट्र गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। उदयवीर सिंह का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डस में नाम दर्ज है और इनका जीवन संघर्षमय रहा है। 13 मई 2022 को दूरदर्शन राजस्थान पर धरती धोरा री कार्यक्रम में उदयवीर के जीवन पर आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एक कार्यक्रम प्रसारित किया गया था। इसमें युवाओं को यह संदेश दिया गया कि जीवन में सुख दुख आते रहते हैं। इसलिए जीवन में कठिनाई आने से नहीं घबराना चाहिए।

ठेका कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा:बोले- सरकारी ऑफिस में ठेका प्रथा हो समाप्त, कर्मचारियों को संविदा कैडर में करें शामिल

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान में ठेका प्रथा समाप्त कर संविदा केंद्र में शामिल करने की मांग को लेकर ठेका कर्मचारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। राजस्थान अस्थाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले कई सालों से प्रदेश के सरकारी ऑफिस में ठेके पर कर्मचारियों की नियुक्ति हो रही है। जबकि सालों का वक्त बीत जाने के बाद ही कर्मचारियों की सैलरी नहीं बढ़ाई जा रही। बल्कि हमारा शोषण हो रहा है। ऐसे में सरकार ठेका प्रथा को समाप्त कर जल्द से जल्द कर्मचारियों को संविदा कैडर में शामिल करें। राजस्थान अस्थाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि महंगाई के इस दौर में ठेका कर्मचारी 5000 की सैलरी पर काम करने को मजबूर हैं। जिससे ना तो घर का खर्चा चल पा रहा है और ना ही बच्चों की पढ़ाई हो पा रही है। ऐसे में महंगाई का दौर बढ़ने के साथ ही कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई जानी चाहिए।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU !
थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा